62	दोपः प्रदोपः कज्जलघ्रजः ॥ ६८६ ॥	
63	स्रोक्प्रियो गृक्मिणिर्शाकर्षी र्शन्धनः।	
64	व्यञ्जनं तालवृतं	6
65	तद्भवित्रं मृगचर्मणा ॥ ६०० ॥	
66	म्रालावर्त तु वस्त्रस्य का काला काला गाया गाया गाया	
67	कङ्कतः केशमार्जनः ।	
68	प्रसाधनश्चा-	4
69	य बालक्रीउनके गुडो गिरिः ॥ ६०० ॥	
70	गिरियको गिरिगुडः	2
71	समी कन्डकगेन्डकी।	21
72	राता रादृ विवीशक्रमध्यलोकेशभूभृतः ॥ ६८१॥	
73	मक्तित्पार्थिवा मूर्धाभिषिक्ता भूप्रजानृपः।	
74	मध्यमा मएडलाधीशः	
75	सम्राट्ट शास्ति यो नृपान् ॥ ६६० ॥	. Ti
76	यः सर्वमण्डलस्येशो राजसूयं च या ज्यजत्।	8
77	चक्रवर्ती सार्वभान-	位
78	स्ते तु द्वादश भारते ॥ ६११ ॥	i)e
62. 63. Lampe (7 W.). — 64. Fächer (2 W.). — 65. Fächer aus Hirschleder. — 66. Fächer aus Zeug. — 67. 68. Kamm (3 W.). —		
	70. Ball zum Spielen (5 W.). — 71. Hölzerner Ball (2 W.).	
72. 73. König (11 W.). – 74. Untergeordneter Regent, Beherrscher		
einer Provinz (2 W.). — 75. 76. Herrscher, welcher über Könige gebietet, das ganze Land beherrscht und das Ragasuja-Opfer voll-		
zogen hat. — 77. Oberherrscher, Beherrscher eines Welttheils		
(2 W.). — 78. Es sind im Lande Bhârata (Indien) zwölf Ober- herrscher gewesen.		
nerrs	scher gewesen.	